हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मैगा वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन

हरियाणा ज्योति/महेंद्रगढ़, प्रमोद बेवल। हर घर दस्तक अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में जिला प्रशासन के सहयोग से मैगा वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय स्थित हैल्थ सेन्टर में आयोजित इस कैंप का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। इस अवसर पर महेंद्रगढ़ के एसडीएम श्री दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कोरोना संकट से बचाव के लिए मास्क और वैक्सीनेशन को महत्त्वपूर्ण बताया। विश्वविद्यालय कुलपति ने इस मौके पर जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कोरोना महामारी से बचाव में टीकाकरण अभियान महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। इस कार्य में आगामी 31 दिसम्बर तक चलने वाले हर घर दस्तक अभियान में जुटी स्वास्थ्य विभाग की टीमों के प्रयास सराहनीय हैं और इस कार्य में विश्वविद्यालय हर संभव सहयोग हेतु सदैव तत्पर है। कुलपति ने कोरोना महामारी से बचाव के लिए सभी को आवश्यक सावधानियों के पालन के लिए प्रेरित किया और वैक्सीनेशन अभियान में प्रतिभागिता को अनिवार्य बताया।

कोरोना से बचने के लिए वैक्सीन और मास्क जरूरी : कुलपति

हकेवि में लगा मैगा वैक्सीनेशन कैंप, कुलपति ने किया शुभारंभ

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेवि में आयोजित मैगा वैक्सीनेशन कैंप में वैक्सीन लगवाते हुए लाभार्थी।

घर-घर दस्तक अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को केंविवि, महेंद्रगढ़ में जिला प्रशासन के सहयोग से मैगा वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय स्थित हेल्थ सेन्टर में आयोजित इस कैंप का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया।

इस अवसर पर महेंद्रगढ़ के एसडीएम दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कोरोना संकट से बचाव के लिए मास्क और वैक्सीनेशन को महत्त्वपूर्ण बताया। विश्वविद्यालय कुलपति ने इस मौके पर जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कोरोना महामारी से बचाव में टीकाकरण अभियान महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है।

इस कार्य में आगामी 31 दिसम्बर तक चलने वाले हर घर दस्तक अभियान में जुटी स्वास्थ्य विभाग की टीमों के प्रयास सराहनीय हैं और इस कार्य में विश्वविद्यालय हर संभव सहयोग हेतु सदैव तत्पर है। कुलपति ने कोरोना महामारी से बचाव के लिए सभी को आवश्यक सावधानियों के पालन के लिए प्रेरित किया और वैक्सीनेशन अभियान में प्रतिभागिता को अनिवार्य बताया।

इस मौके पर उपस्थित एसडीएम दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय द्वारा मिले सहयोग के लिए धन्यवाद करते हुए इस अभियान को कोरोना से जंग में निर्णायक बताया। उन्होंने कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विश्वविद्यालय व स्थानीय लोगों को लाभ मिलेगा।

विश्वविद्यालय में आयोजित मैगा वैक्सीनेशन कैंप के सफल संयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों तथा पीएचसी पाली के डॉ. विक्रम व उनकी टीम ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस मौके पर विश्वविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत यादव, डॉ. पूजा यादव, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. विनिता मलिक उपस्थित रहे।

स्वामी श्रद्धानंद की पुण्यतिथि पर यज्ञ

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में वीरवार को स्वतंत्रता सेनानी व भारत में गुरुकुल परंपरा के पोषक स्वामी श्रद्धानंद की पुण्यतिथि पर यज्ञ का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ के प्रयासों से योग व संस्कृत विभाग के सहयोग से यज्ञ किया।

हकेवि में स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी शुरू

महेन्द्रगढ़,23 दिसंबर (निस)

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ में बृहस्पतिवार से जिला खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्ता संघ के सहयोग से दो दिवसीय स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी की शुरूआत की गई। प्रदर्शनी का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड एन्क्यूबेशन प्रकोष्ठ के प्रयासों से आयोजित इस प्रदर्शनी के संबंध में कुलपति ने कहा कि इसके माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों में स्वदेशी प्रेम का भाव विकसित होगा। इस मौके पर उपस्थित प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने खादी ग्रामोद्योग द्वारा निर्मित उत्पादों के विषय में जानकारी दी। यहां जिला खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्ता संघ के सचिव बलवंत शर्मा, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, डॉ. पवन कुमार मौर्य, डॉ. अनूप यादव, सुनील अग्रवाल उपस्थित रहे।

स्वदेशी अपनाने से होगा आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार : कुलपति

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ में वीरवार से जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ, नारनौल के सहयोग से दो दिवसीय स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी की शुरूआत हुई। शुभारंभ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। विवि के इनोवेशन एण्ड इन्कयूबेशन प्रकोष्ठ के प्रयासों से आयोजित इस प्रदर्शनी के संबंध में कुलपति ने कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों व शैक्षणेत्तर कर्मचारियों में स्वदेशी प्रेम का भाव विकसित होगा। आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने के लिए जमीनी स्तर पर समय-समय पर इस तरह के आयोजन आवश्यक हैं। प्रकोष्ठ संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि ये बेहद उपयोगी, इकोफ्रेंडली व स्वदेशी उत्पाद हैं। खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ के सचिव बलवंत शर्मा ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व प्रकोष्ठ की संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव का आभार व्यक्त किया। कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, डॉ. पवन कुमार मौर्य, डॉ. अनूप यादव, सुनील अग्रवाल भी प्रदर्शनी में उपस्थित रहे।

उद्यमिता विकास में युवाओं का योगदान जरूरी : वीसी

महेंद्रगढ़ | विद्यार्थियों, शोधार्थियों को नवाचार व उद्यमिता के विकास हेतु नए आइडिया के विकास के तैयार करने के उद्देश्य से हकेवि, महेंद्रगढ़ में आइडिया जेनरेशन विकास पर केंद्रित ऑनलाइन कार्यशाला हुई । एंटरप्रन्योर सेल व सेंटर फोर इनोवेशन एंड इन्कयूबेशन के साझा प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत के विकास में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है ऐसे में नवाचार एवं उद्यमिता के विकास में युवाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विशेष रूप से किताबी ज्ञान के साथ-साथ विद्यार्थियों के कौशल विकास को भी महत्व दिया गया है। इसी क्रम में आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज के डॉ. संजय वोहरा ने भी विभिन्न नए स्टार्ट अप और आइडिया के विकास पर केंद्रित वक्तव्य के माध्यम से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। कार्यशाला के अंत में प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग में सहायक आचार्य निशान सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

हकेंवि में होगा अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक संघ का सम्मेलन

■ वर्ष 2022 के लिए विश्वविद्यालय को मिला अवसर

महेंद्रगढ़, 20 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक संघ विश्व स्तर पर भौगोलिक विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। संघ का उद्देश्य मुख्य रूप से दुनियाभर में गठित राष्ट्रीय कमेटियों, आयोगों व कार्यालयों के माध्यम से भौगोलिक शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देना है। इन्हीं प्रयासों के अंतर्गत वर्ष 2022 में संघ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के साथ मिलकर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करने जा रहा है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संघ की ओर से मिले इस अवसर को उल्लेखनीय बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से भौगोलिक जगत देश-विदेश के विद्वान विश्वविद्यालय में जुटेंगे और विभिन्न नए बदलावों पर एक मंच पर चर्चा करेंगे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक संघ (आई.जी.यू.) के सहयोग से आयोजित होने वाले इस सम्मेलन के विषय में जानकारी देते हुए भूगोल विभाग के शिक्षक प्रभारी डा. मनीष कुमार ने बताया कि संघ भौगोलिक शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है और अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए संघ दुनिया भर के कुछ चुनिंदा विश्वविद्यालयों में ऐसे सम्मेलनों और बैठकों का आयोजन करता है। यह एक समर्पित अंतर्राष्ट्रीय, अशासकीय, पेशेवर संगठन है।

डा. मनीष कुमार ने बताया कि संघ द्वारा अपनी विभिन्न गतिविधियों के बीच प्रत्येक 4 वर्षों में एक बार अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक कांग्रेस के साथ-साथ विश्व में विविध प्रादेशिक कांफ्रेंस और बैठकों का आयोजन किया जाता है। अपने इन्हीं प्रयासों के अंतर्गत संघ द्वारा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग को आगामी वर्ष 2022 में 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस के आयोजन हेतु अवसर प्रदान किया गया है।

हकेंवि में स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी आज से लगाई जाएगी

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ परिसर में जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्राम उद्योग कार्यकर्त्ता संघ, नारनौल के सहयोग से दो दिवसीय स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी गुरूवार 23 दिसंबर से आयोजित की जाएगी। संयोजक प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा 'वोकल फोर लोकल' का नारा दिया गया है और इसकी सफलता के लिए जरूरी है कि विभिन्न स्तर पर स्वदेशी उत्पादों का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार हो। प्रदर्शनी का आयोजन कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के दिशा-निर्देशन में किया जाएगा। जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्त्ता संघ के सचिव बलवंत शर्मा ने कहा कि प्रदर्शनी में विभिन्न सहायता समूहों द्वारा बनाई गई स्वदेशी वस्तुओं को उचित मूल्य (25 प्रतिशत की विशेष छूट) पर उपलब्ध करवाया जाएगा।

हकेंवि में होगा अंतर राष्ट्रीय भौगोलिक संघ का सम्मेलन

महेंद्रगढ़। अंतर राष्ट्रीय भौगोलिक संघ विश्व स्तर पर भौगोलिक विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। संघ का उद्देश्य मुख्य रूप से दुनियाभर में गठित राष्ट्रीय कमेटियों, आयोगों व कार्यालयों के माध्यम से भौगोलिक शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देना है। इन्हीं प्रयासों के अंतर्गत वर्ष 2022 में संघ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ मिलकर अंतर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करने जा रहा है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संघ की ओर से मिले। इस अवसर को उल्लेखनीय बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से भौगोलिक जगत देश-विदेश के विद्वान विश्वविद्यालय में जुटेंगे।

महेंद्रगढ़। सीयू में विजय दिवस मनाते

हकेंवि में मनाया गया विजय दिवस, कुलपति ने किए पुष्प अर्पित

महेंद्रगढ़। पाकिस्तान पर मिली विजय की 50वीं वर्षगांठ उपलक्ष्य में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विजय दिवस मनाया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन में स्थित विद्यावीरता स्थल पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सेना के वीर सपूतों के चित्रों पर दीप प्रज्जवलित कर पुष्प अर्पित किए। कुलपति ने इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों, विद्यार्थियों व शिक्षणेतर कर्मचारियों को संबोधित करते हुए 1971 की विजय को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि पाकिस्तान के साथ हुई इस निर्णायक जंग के परिणाम स्वरूप ही बंगलादेश बना।

हकेवि में होगा अंतरराष्ट्रीय भौगोलिक संघ का सम्मेलन

नारनौल, 20 दिसंबर (निस)

अंतरराष्ट्रीय भौगोलिक संघ विश्व स्तर पर भौगोलिक विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। संघ का उद्देश्य मुख्य रूप से दुनियाभर में गठित राष्ट्रीय कमेटियों, आयोगों व कार्यालयों के माध्यम से भौगोलिक शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देना है। इन्हीं प्रयासों के अंतर्गत वर्ष 2022 मे संघ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करने जा रहा है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संघ की ओर से मिले इस अवसर को उल्लेखनीय बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से भौगोलिक जगत देश-विदेश के विद्वान विश्वविद्यालय में जुटेंगे और विभिन्न नए बदलावों पर एक मंच पर चर्चा करेंगे।

मनाया गया विजय दिवस

दीप प्रज्वलित कर शहीदों को श्रद्धांजलि देते कुलपति टंकेश्वर कुमार • साभार हकेंविवि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : 16 दिसम्बर 1971 को पाकिस्तान पर मिली विजय की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में विजय दिवस मनाया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन में स्थित विद्या वीरता स्थल पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सेना के वीर सपूतों के चित्रों पर दीप प्रज्ज्वलित कर पुष्प अर्पित किए। कुलपति ने इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों, विद्यार्थियों व शिक्षणेतर कर्मचारियों को संबोधित करते हुए 1971 की विजय को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि पाकिस्तान के साथ हुई इस निर्णायक जंग के परिणाम स्वरूप ही बंगलादेश बना। कुलपति ने इस जंग में अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों के बलिदान को याद किया और नमन किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेवि में मनाया गया विजय दिवस

महेंद्रगढ़|16 दिसम्बर, 1971 को पाकिस्तान पर मिली विजय की 50वीं वर्षगांठ उपलक्ष्य में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में विजय दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन में स्थित विद्या वीरता स्थल पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सेना के वीर सपूतों के चित्रों पर दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

हकेंवि में विभागीय स्तर पर प्रेरण कार्यक्रम आयोजित

पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग में आयोजित प्रेरण कार्यक्रम में प्रतिभागिता करते विद्यार्थी।

महेंद्रगढ़, 15 दिसम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में नए शैक्षणिक सत्र 2021-22 में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम के बाद विभागीय स्तर पर प्रेरण कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर जारी है। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के बाद पर्यटन एवं होटल प्रबंधन व अर्थशास्त्र विभाग ने विद्यार्थियों के लिए विशेष सत्र का आयोजन किया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभागीय स्तर पर इस आयोजन को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि इससे उन्हें शिक्षकों, विभाग व विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न संसाधनों को जानने-समझने में मदद मिलेगी। पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. रणबीर सिंह ने बताया कि विभागीय स्तर पर आयोजित प्रेरण कार्यक्रम में आई.आई.टी.टी.एम., नोएडा में नोडल ऑफिसर के रूप में कार्यरत डा. पवन गुप्ता ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और पर्यटन उद्योग की बारीकियों से अवगत कराया।

इस अवसर पर नए विद्यार्थियों ने विभाग में उपलब्ध सुविधाओं व विभागीय शिक्षकों से भी संवाद स्थापित किया। इस आयोजन में विभाग के शिक्षक डा. दिलबाग सिंह, विकास मोहन, विकास सिवाच, शिखा व विक्रांत गहलावत ने योगदान दिया। इसी क्रम में अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डा. रंजन अनेजा ने बताया कि विभागीय प्रेरण कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने विभाग में उपलब्ध शिक्षकों से परिचय किया। उनकी विशेषज्ञता, विभाग व विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न संसाधनों व सुविधाओं के बारे में जाना। डा. रंजन अनेजा ने बताया कि इस आयोजन में विभागीय शिक्षक डा. रेनु, डा. अजीत साहु, डा. रश्मि तंवर व हिमांशी अग्रवाल ने सक्रिय भूमिका निभाई।

प्रिंटिंग और पैकेजिंग क्षेत्र में बनाएं बेहतर भविष्य

वर्तमान परिदृश्य में प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग उद्योग की महत्ता अत्यधिक बढ़ी हैं। कोरोना विषाणु संक्रमण महामारी के उपरांत पैक किए गए भोजन की मांग और नकली उत्पाद के प्रति उपभोक्ताओं की जागरूकता बढ़ना इसके प्रमुख कारण हैं। प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग क्षेत्र एक तेजी से बढ़ता उद्योग है, जिसमें नवाचार और रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक पैकेजिंग-प्रिंटिंग बाजार का आकार वर्ष 2020 में 352.01 अरब अमेरिकी डालर से बढ़कर वर्ष 2025 तक 433.40 अरब अमेरिकी डालर होने का अनुमान है। इसके अलावा भारतीय मुद्रण उद्योग का विकास 12 फीसद प्रतिवर्ष की दर है। समय की मांग के अनुरूप व तेजी से बदलती हुई तकनीक के कारण इस क्षेत्र में विभिन्न स्तर पर कुशल कर्मचारियों की जरूरत पड़ती है, जो रोजगार को बढ़ावा देता है।

प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग का महत्त्व

किसी भी उत्पाद के महत्त्व व गुणवत्ता को दर्शाने के लिए उच्च स्तर की प्रिंटिंग व पैकेजिंग की तकनीक का सहारा लिया जाता है। विभिन्न कंपनियां अपने उत्पादों की ब्रांडिंग, प्रिंटिंग व पैकेजिंग के सहारे ही करती हैं। क्या आप कभी किसी भी उत्पाद को डिब्बे पर कोई जानकारी के बिना खरीदना पंसद करेंगे? स्वाभातिक है नहीं। प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग किसी भी उत्पाद की गुणवत्ता व उसके बारे में जानकारी संप्रेषित करने का एक प्रभावी तरीका है। किसी भी उत्पाद की ब्रांडिंग, 'विजुअल मार्केटिंग' व विश्वसनियता के लिए प्रिंटिंग व पैकेजिंग बहुत ही महत्त्वपूर्ण है। अन्य क्षेत्र जैसे प्रिंटिड इलेक्ट्रोनिक्स, 3डी प्रिंटिंग, 'मोडिफाइड एटमासफोरेक पैकेजिंग' इस क्षेत्र में नवोचारोन्मुख क्षेत्रों में से है।

रोजगार के अवसर

प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग उद्योग देश के सबसे तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक है। इस क्षेत्र में करिअर की अपार संभावनाएं हैं। यह क्षेत्र योग्य लोगों को अनेक अवसर प्रदान करता है। इस क्षेत्र में कोर्स करने के बाद आप विभिन्न महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, समाचार पत्रों, विज्ञापन एजंसियों, सरकारी और निजी प्रकाशन गृहों में अच्छी नौकरी पा सकते हैं। देश में इस समय ढ़ाई लाख से अधिक प्रिंटिंग की कंपनियां हैं जो कि विश्व में सर्वाधिक है, इसके अनुपात में प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग क्षेत्र में डिग्री धारकों की संख्या बहुत कम है।

विशेषज्ञ की कलम से

प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग में नौकरी

इस क्षेत्र में कोर्स करने के बाद आप विभिन्न निजी व बहुराष्ट्रीय कंपनियों में प्रिंटिंग सुपरवाइजर, उत्पादन प्रबंधक, प्लांट प्रबंधक, गुणवत्ता प्रबंधक और प्रिंटिंग टेक्नोलाजिस्ट के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा केंद्र व राज्य सरकारों के अधीन विभिन्न मंत्रालयों, सचिवालयों, प्रकाशन गृहों, गवर्नमेंट आफ इंडिया प्रेस व शिक्षण संस्थानों में काम करने का अवसर मिलता है। सरकारी सेवाओं में बैंक नोट प्रेस, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, एनसीईआरटी, एनआइएससीआइआर, सर्वे आफ इंडिया, एसपीएमसीआइएल, व प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी निदेशालय में विभिन्न पदों पर काम करने का अवसर मिलता है।

प्रमुख शिक्षण संस्थान

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़
जाधवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता
गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार
अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई
पीवीजीसीओइटी, पुणे
एमआईटी, मनिपाल
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल
भारतीय पैकेजिंग संस्थान, दिल्ली व विभिन्न रिजिनल इंस्टीट्यूट इन प्रिंटिंग टेक्नोलाजी इत्यादि शामिल हैं।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग तकनीकी के क्षेत्र में देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में एमटेक, बीटेक, बीई, बीवोक, बीएससी, डिप्लोमा व सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देने के लिए कुछ संस्थान पीएचडी प्रोग्राम भी संचालित कर रहे हैं।

– **संदीप बूरा**
(शिक्षक, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़)

जनसत्ता Thu, 16 December 2021
https://epaper.jansatta.com/c/64986645

हकेंवि में प्रेरण कार्यक्रमों का किया गया आयोजन

पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग में आयोजित प्रेरण कार्यक्रम में प्रतिभागिता करते विद्यार्थी • साभार हकेंवि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में नए शैक्षणिक सत्र 2021-22 में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम के बाद विभागीय स्तर पर प्रेरण कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर जारी है। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के बाद पर्यटन एवं होटल प्रबंधन व अर्थशास्त्र विभाग ने विद्यार्थियों के लिए विशेष सत्र का आयोजन किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभागीय स्तर पर इस आयोजन को विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बताया और कहा कि इससे उन्हें शिक्षकों, विभाग व विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न संसाधनों को जानने-समझने में मदद मिलेगी। डा. रणबीर सिंह ने बताया कि विभागीय स्तर पर आयोजित प्रेरण कार्यक्रम में आईआईटीटीएम, नोएडा में नोडल आफिसर के रूप में कार्यरत डा. पवन गुप्ता ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और पर्यटन उद्योग की बारीकियों से अवगत कराया। इस अवसर पर नए विद्यार्थियों ने विभाग में उपलब्ध सुविधाओं व विभागीय शिक्षकों से भी संवाद स्थापित किया। इस में डा. दिलबाग सिंह, विकास मोहन, विकास सिवाच, शिखा व विक्रांत गहलावत ने योगदान दिया। डा. रंजन अनेजा ने बताया कि विभागीय प्रेरण कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने शिक्षकों से परिचय किया।

एबीआरएसएम हकेंवि के अध्यक्ष बने डॉ. मनोज कुमार

महेंद्रगढ़| अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षणिक महासंघ (एबीआरएस एम) की हकेंवि , महेंद्रगढ़ की नई कार्यकारिणी का गठन हुआ है। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगठन मंत्री महेंद्र कपूर के मार्गदर्शन में हुई बैठक में अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ में सह -आचार्य डॉ.मनोज कुमार को अध्यक्ष पद, पुरातत्व एवं होटल प्रबंधन विभाग में सह-आचार्य डॉ.रणबीर सिंह व प्रबंधन विभाग में सहायक आचार्य डॉ. दिव्या को उपाध्यक्ष का कार्यभार सौंपा गया है। इसी क्रम में अब महामंत्री के पद डॉ. मनीष कुमार, सहायक आचार्य, भूगोल विभाग, कोषाध्यक्ष पर डॉ. नरेंद्र परमार, सहायक आचार्य, इतिहास व पुरातत्व विभाग और डॉ. मनोज कुमार सहायक आचार्य, सांख्यिकी विभाग व डॉ. ईश्वर परीदा, सहायक आचार्य, इतिहास व पुरातत्व विभाग को सह सचिव का दायित्व मिला है। महासंघ की इस बैठक में, डॉ. आनंद शर्मा, सह-आचार्य, प्रबंधन अध्ययन विभाग; डॉ. रेनू यादव, सहायक आचार्य, शिक्षा पीठ; और डॉ. राजीव कुमार सिंह, सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग का चुनाव कार्यकारिणी के सदस्य के लिए हुआ है।

हमें कर्मयोगी बन सद्कर्म करना चाहिए : प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद न्यूज एजेंसी

गीता जयंती के अवसर पर विशेषज्ञ वेबिनार आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में गीता जयंती के अवसर पर मंगलवार को वेबिनार का आयोजन किया गया। विवि के व्यवसायिक एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ की ओर से श्रीमद्भागवत गीता विषय पर आयोजित वेबिनार की अध्यक्षता कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

उन्होंने कहा कि हमें कर्मयोगी बन सद्कर्म करना चाहिए और फल की इच्छा नहीं करनी चाहिए। वेबिनार में इसकॉन, अयोध्या से अध्यात्मिक गुरु आचार्य देवशेखर विष्णु दास और गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय की व्यवसायिक एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ के अधिष्ठाता डॉ. आनंद शर्मा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज भले ही तकनीकी ने बहुत उन्नति कर ली है किंतु आज भी अज्ञानता की समस्या पूरे विश्व के सामने सबसे बड़ी समस्या के रूप में खड़ी है। उन्होंने कहा कि जीवन के हर प्रश्न का हल गीता में मौजूद है। गीता अपने आप में संपूर्ण ज्ञान है। यह व्यक्ति के जीवन को सफल बनाती है।

गीता दुनिया का सबसे श्रेष्ठ ग्रंथ, जो जीने की प्रेरणा देती है : प्रो. टंकेश्वर

नारनौल में गौड ब्रह्मण सभा में आयोजित गीता महोत्सव में कुलपति का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते आयोजक ।

भास्कर न्यूज़ | नारनौल

आजादी के अमृत पर्व महोत्सव पर मनाए जा रहे श्रीमद् भगवत गीता महोत्सव के तहत श्री गौड़ ब्राह्मण सभा नारनौल में संयुक्त भारतीय धर्म संसद हरियाणा प्रांत द्वितीय द्वारा गीता महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रो. विकास शर्मा ने की।

इस मौके पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि गीता ग्रंथ हमें जीवन जीने की राह व संस्कार सिखाती है। श्रीमद् भागवत गीता दुनियां का सबसे श्रेष्ठ ग्रंथ है। आज गीता दुनियां को अध्यात्मक, संस्कृति व धर्म के कारण मानवता को जीने की प्रेरणा देती है। साथ ही हमें कर्म करने की प्रेरणा भी देती है। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा विश्व गुरु रहा है। भगवान श्री कृष्ण ने हरियाणा की धरती कुरुक्षेत्र पर गीता का संदेश दिया। मनुष्य जैसा कर्म करेगा, वैसा ही फल भोगेगा। मनुष्य को सुखी जीवन जीने के लिए गीता को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। गीता किसी विशेष वर्ग के लिए नहीं, यह विश्व व्यापी सार है। समाज में जितने विवाद, बुराई, ईर्ष्या व द्वेष विश्व की कोई समस्या का समाधान गीता में है। उन्होंने कहा कि भागवत गीता से मनुष्य को कर्म करने का संदेश मिला है। इस मौके पर दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रो. विकास शर्मा ने कहा कि भारत की सभ्यता व संस्कृति काफी प्राचीन है। विश्व की अनेक संस्कृतियां ज्ञान के अभाव में मिट गई हैं, लेकिन भारत की संस्कृति का आधार गीता का ज्ञान है। यह कभी नहीं मिटेगी तथा अनंतकाल रहकर दुनियां का मार्गदर्शन करती रहेगी। इस अवसर पर संयुक्त भारतीय धर्म संसद हरियाणा प्रांत द्वितीय के प्रधान राकेश महता ने कहा कि इस धरती पर भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को ज्ञान दिया था कि हर संशय, भ्रांति, भ्रम, चुनौती का रास्ता, द्वंद व मानसिक शांति व कठिनाई दूर करने का ग्रंथ गीता है। कार्यक्रम के दौरान समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को भी भगवान श्री कृष्ण का स्मृति चिह्न व पटका देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का स्टेज संचालन प्रो. पंकज गौड़ ने किया। इस मौके पर नारनौल बार के पूर्व प्रधान मनीष वशिष्ठ एडवोकेट, गोबिंद भारद्वाज, अर्जुनलाल एडवोकेट, मास्टर किशन लाल शर्मा, कृष्ण ठेकेदार, गोविंद, दिनेश शर्मा, नरेंद्र लाल शर्मा, अमित पांडे, अजय शर्मा, बनवारी लाल शर्मा, कृष्ण शर्मा एडवोकेट, सुनील गौड, ओमप्रकाश चौबे, विनय शर्मा, हेतराम, केदारनाथ गर्ग, रामानंद अग्रवाल, सतीश गर्ग, जगमोहन गुप्ता, रतनलाल सैनी, हनुमान सिंह, पंकज गर्ग सीए, अंकित गर्ग सीए, नरेन्द्र झिमरिया, विजयपाल कौशिक व विनोद कौशिक सहित अनेक लोग मौजूद थे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार पर तैयार सिलेबस यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों के साथ साझा किया

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

हकेवि, महेंद्रगढ़ में प्रवेश लेने पाले विद्यार्थियों के लिए विभागीय स्तर पर प्रेरणा कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा चार दिवसीय प्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को प्रेरणा कार्यक्रम का महत्त्व बताते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व प्रशासनिक कार्यप्रणाली के बारे में जानने समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा केंद्रीय पर आयोजित दो दिवसीय प्रेरणा कार्यक्रम के बाद विभागीय स्तर पर जारी प्रेरणा कार्यक्रम से विद्यार्थी अवश्य ही लाभांवित होंगे। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि कोरोना महामारी के कारण कार्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया गया। प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने कार्यक्रम में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का वरिष्ठ विद्यार्थियों के साथ परिचय कराया गया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार पर तैयार सिलेबस विद्यार्थियों के साथ सांझा किया। विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार ने विद्यार्थियों को पाठ्य गत जानकारियों से अवगत कराया। विभाग के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की एलएमएस की कार्यप्रणाली की जानकारी दी। प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम में विभाग के पूर्व विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि इस चार दिवसीय प्रेरणा कार्यक्रम में विद्यार्थियों के अपने कौशल का भी प्रदर्शन किया।

हरियाणा केंद्रीय विवि में दाखिले के लिए स्पेशल ड्राइव आज

नारनौल (एसएनबी)। हरियाणा केंद्रीय विवि (हकेवि), महेन्द्रगढ़ में स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए दाखिले हेतु आज 10 दिसम्बर को स्पेशल ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आवेदकों का दाखिले के लिए स्वागत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ सहपाठ्येत्तर गतिविधियों के विकास का भी अवसर मिलेगा।

कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए आज 10 दिसम्बर को स्पेशल ड्राइव का आयोजन करने जा रहा है। ऑफलाइन माध्यम से आयोजित होने वाली इस प्रक्रिया में इच्छुक आवेदक को विश्वविद्यालय में संबधित विभाग में उपस्थित होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि इस दाखिला प्रक्रिया में सीयू-सीईटी-2021 परीक्षा न दे सकने वाले अभ्यर्थी भी हिस्सा ले सकेंगे।

हकेंवि में दाखिले के लिए स्पेशल ड्राइव आज

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए दाखिले के लिए 10 दिसंबर को स्पेशल ड्राइव का आयोजन होगा। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हम छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध है। वहीं, कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि विवि स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए 10 दिसंबर को स्पेशल ड्राइव कर रहा है। ऑफलाइन माध्यम से आयोजित इस प्रक्रिया में इच्छुक आवेदक को विश्वविद्यालय में संबधित विभाग में उपस्थित होना अनिवार्य है। इस दाखिला प्रक्रिया में सीयू-सीईटी-2021 परीक्षा न दे सकने वाले अभ्यर्थी भी हिस्सा ले सकेंगे, लेकिन सीयू-सीईटी-2021 परीक्षा देने वाले अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी को अपने दस्तावेजों की मूल प्रति व दो सेट प्रतिलिपि के साथ संबंधित विभाग में 10 से 12 बजे तक रिपोर्ट करनी होगी।

स्नातक, स्नातकोत्तर और इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में दाखिले का मौका

हकेंविवि में दाखिले के लिए स्पेशल ड्राइव आज से

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए दाखिले के लिए 10 दिसंबर को स्पेशल ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने आवेदकों का दाखिले के लिए स्वागत करते हुए कहा कि विवि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ सहपाठ्येत्तर गतिविधियों के विकास का भी अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए 10 दिसंबर को स्पेशल ड्राइव का आयोजन करने जा रहा है। आफलाइन माध्यम से आयोजित होने

प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. स्वयं

वाली इस प्रक्रिया में इच्छुक आवेदक को विश्वविद्यालय में संबधित विभाग में उपस्थित होना अनिवार्य है। इस दाखिला प्रक्रिया में सीयू-सीईटी-2021 परीक्षा न दे सकने वाले अभ्यर्थी भी हिस्सा ले सकेंगे, किंतु सीयू-सीईटी-2021 परीक्षा देने वाले अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी को अपने दस्तावेजों की मूल प्रति व दो सेट प्रतिलिपि के साथ संबंधित विभाग में 10 से 12 बजे तक रिपोर्ट करना होगा।

नोबेल लॉरयेट व्याख्यान शृंखला में हकेंवि की प्रोफेसर भी शामिल

प्रो. नीलम सांगवान ने पारम्परिक चिकित्सकीय पौधों से संबंधित विषय पर रखे विचार

महेंद्रगढ़, 8 दिसम्बर (परमजीत, स.ह.): कोरोना संकट के बाद से एकाएक परम्परागत चिकित्सा पद्धति की बढ़ती मांग को अब समूचा विश्व स्वीकार कर रहा है। भारतीय संस्कृति में वर्णित ऐसे ही उपायों और उससे संबंधित शोध, अनुसंधान को राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रमुखता के साथ महत्व दिया जा रहा है। ऐसे ही एक प्रयास के अंतर्गत 11वें इंडिया-जापान साइंस एंड टैक्नोलॉजी सैमिनार का आयोजन श्री चित्रा मैडिकल साइंसेज इंस्टीच्यूट, केरल में हुआ, जिसमें हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने ट्रैडिशनल मैडिशनल प्लांट्स फ्रॉम क्रूड ड्रग्स टू मॉलिकुलर मैडिसन के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं व अवसर विषय पर विचार व्यक्त किए।

प्रो. नीलम सांगवान।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रकार के आयोजनों को समय की मांग बताया और कहा कि अवश्य ही भविष्य में भी विश्वविद्यालय के शिक्षक अपनी क्षमताओं के अनुरूप ऐसे आयोजनों के माध्यम से देश-दुनिया के समक्ष उपलब्ध विभिन्न समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करेंगे।

प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि इस व्याख्यान शृंखला में नोबेल लॉरयेट प्रो. तासुको होन्गो भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. के. विजय राघवन, आई.आई.टी., दिल्ली के प्रो. वी. रामगोपाल राव सरीखे विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि उन्होंने भी अपने संबोधन में ट्रैडिशनल मैडिशनल प्लांट्स फ्रॉम क्रूड ड्रग्स टू मॉलिकुलर मैडिसन के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं व अवसर विषय पर विचार प्रस्तुत किए और बताया कि किस तरह से यह चिकित्सा के क्षेत्र में उपयोगी साबित हो सकते हैं।

प्रोफेसर नीलम सांगवान ने पारंपरिक चिकित्सकीय पौधों का महत्व बताया

व्याख्यान श्रृंखला में हकेंवि की प्रोफेसर भी शामिल

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : कोरोना संकट के बाद से एकाएक परंपरागत चिकित्सा पद्धति की बढ़ती मांग को अब समूचा विश्व स्वीकार कर रहा है। भारतीय संस्कृति में वर्णित ऐसे ही उपायों और उससे संबंधित शोध, अनुसंधान को राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रमुखता के साथ महत्व दिया जा रहा है।

ऐसे ही एक प्रयास के अंतर्गत ग्यारहवें इंडिया-जापान साइंस एंड टेक्नोलाजी सेमिनार का आयोजन श्री चित्रा मेडिकल साइंसेज इंस्टीट्यूट, केरल में हुआ। जिसमें हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने ट्रेडिशनल मेडिशनल प्लांट्स फ्राम क्रूड ड्रग्स टू मालिकुलर मेडिसन के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं व अवसर विषय पर विचार व्यक्त किए। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस प्रकार के आयोजनों को समय की मांग बताया और कहा कि अवश्य ही भविष्य में भी विश्वविद्यालय के शिक्षक अपनी क्षमताओं के अनुरूप ऐसे आयोजनों के माध्यम से देश-दुनिया के समक्ष उपलब्ध विभिन्न समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करेंगे। प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि इस व्याख्यान श्रृंखला में नोबेल लारयेट प्रो. तासुको होन्गो भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. के. विजय राघवन, आइआइटी, दिल्ली के प्रो. वी. रामगोपाल राव सरीखे विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रो. नीलम सांगवान ने बताया कि उन्होंने भी अपने संबोधन में ट्रेडिशनल मेडिशनल प्लांट्स फ्राम क्रूड ड्रग्स टू मालिकुलर मेडिसन के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं व विषय पर विचार प्रस्तुत किए और बताया कि किस तरह से यह चिकित्सा के क्षेत्र में उपयोगी साबित हो सकते हैं।

प्रो. नीलम सांगवान

10 दिसंबर को हकेंवि में दाखिले का अंतिम मौका

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विवि ओपन काउंसलिंग के बाद स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए दाखिले हेतु आगामी 10 दिसंबर को अंतिम अवसर दिया जा रहा है। विवि के विभिन्न विभागों में रिक्त सीटों पर दाखिले हेतु विवि केंद्रीय विवि संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयू-सीईटी)-2021 के आवेदकों के उपलब्ध न होने पर ऐसे विद्यार्थियों को दाखिला देगा जो दाखिले के लिए निर्धारित अन्य अर्हता को पूरा करते होंगे।

महेंद्रगढ़। ऑनलाइन कार्यक्रम में उपस्थित वक्ता। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विवि में दो दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का समापन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2021-22 के अंतर्गत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए आयोजित दो दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का मंगलवार को समापन हुआ। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु हरसंभव सहयोग के लिए आश्वस्त किया। कार्यक्रम के दूसरे दिन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर व अखिल भारतीय शैक्षणिक महासंघ महिला प्रकोष्ठ की प्रमुख प्रो. गीता भट्ट ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित इस दीक्षारंभ कार्यक्रम के दूसरे दिन की शुरूआत विश्वविद्यालय के सरस्वती वंदना के साथ हुई।

हकेंविवि में दाखिले का अंतिम अवसर 10 को

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में ओपन काउंसिलिंग के बाद स्नातक, स्नातकोत्तर, इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए दाखिले के लिए 10 दिसंबर को अंतिम अवसर प्रदान किया जा रहा है। विश्वविद्यालय केंद्रीय विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयू-सीईटी)-2021 के आवेदकों के उपलब्ध न होने पर ऐसे विद्यार्थियों को दाखिला देगा जो कि दाखिले के लिए निर्धारित अन्य अर्हता को पूरा करते होंगे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए 10 दिसंबर को स्पेशल ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय विभिन्न विभागों में रिक्त बची सीटों पर ओपन काउंसिलिंग आयोजित कर रहा है। इसमें सीयू-सीईटी-2021 परीक्षा न दे सकने वाले अभ्यर्थी भी हिस्सा ले सकेंगे, किंतु सीयू-सीईटी-2021 परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी को 10 दिसंबर को दस्तावेजों की मूल प्रति, दो सेट प्रतिलिपि के साथ संबंधित विभाग में 10 से 12 बजे तक रिपोर्ट करना होगा। आवेदक अधिक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देखे। संवाद

विश्वविद्यालय ज्ञान अर्जन का केंद्रः प्रो. टंकेश्वर कुमार

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2021-22 के अंतर्गत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए सोमवार से दो दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के पहले दिन विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान अर्जन का केंद्र है। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए विश्वविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों के अधिकतम उपयोग के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के समक्ष विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के पूर्व कुलपति व अखिल भारतीय शैक्षणिक संघ के अध्यक्ष प्रो. जे.पी. सिंघल ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया, जिसमें विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं, संसाधनों व विद्यार्थी हितैषी प्रयासों का विशेष रूप से उल्लेख किया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम की हुई

कुलपति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना संकट का असर शिक्षण व्यवस्था पर भी पड़ा है। बावजूद इसके हम विद्यार्थियों की शिक्षा सुचारू रूप से जारी रखने की दिशा में संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं। कुलपति ने कहा कि विद्यार्थी केवलमात्र डिग्री हासिल करने का उद्देश्य लेकर विश्वविद्यालय न आएं बल्कि वे यहां उपलब्ध संसाधनों व ज्ञान को अर्जित कर श्रेष्ठता व सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को प्राप्त करें। कुलपति ने इस अवसर पर विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से समस्याओं को जानने-समझने और उनके समाधान खोजने के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा विद्यार्थियों को दी। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान डिग्री के साथ-साथ विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों के विकास में भी मददगार होते हैं। इस दिशा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय भी अनवरत प्रयासरत है। उन्होंने विद्यार्थियों को ज्ञान अर्जित कर आत्मनिर्भर बनने व दूसरों को रोजगार प्रदान करने योग्य बनने के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. जे.पी सिंघल ने भारतीय पुरातन व्यवस्था व आधुनिक समय में गुरू-शिष्य परम्परा से जुड़े विभिन्न उदाहरणों व प्रसंगों के माध्यम से शिक्षक, शिक्षा व ज्ञान के महत्त्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल जीवन स्तर को बेहतर बनाना ही नहीं है बल्कि विद्यार्थियों को श्रेष्ठ बनने के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने शिक्षा के प्रमुख लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि ज्ञान प्राप्ति का लाभ तभी संभव है जब योग्य मानव का निर्माण हो। मौजूदा समय की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने चुनौती को अवसर में तबदील करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि इसी मंत्र के सहारे विद्यार्थी अपना, समाज का व देश-दुनिया की बेहतरी में योगदान दे सकते हैं। इससे पूर्व विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने विद्यार्थियों का परिचय कुलपति से कराया। कार्यक्रम के संचालन व आयोजन में शिक्षा पीठ की सहायक आचार्य डॉ. रेनु यादव, वित्त अधिकारी डॉ. आनंद शर्मा, डॉ. किरण, आलेख एस. नायक, अजय कुमार व सुनील अग्रवाल ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

हकेंवि में दीक्षारंभ कार्यक्रम की शुरूआत

महेंद्रगढ़। हकेंवि में शैक्षणिक सत्र 2021-22 के अंतर्गत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए सोमवार से दो दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। विवि के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के तहत कार्यक्रम के पहले दिन छात्रों को संबोधित करते हुए विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विवि ज्ञान अर्जन का केंद्र है। उन्होंने छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए विवि में उपलब्ध संसाधनों के अधिकतम उपयोग के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के समक्ष विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के पूर्व कुलपति व अखिल भारतीय शैक्षणिक संघ के अध्यक्ष प्रो. जेपी सिंघल ने छात्रों का मार्गदर्शन किया।

विश्वविद्यालय ज्ञान अर्जन का केंद्र : प्रो. टंकेश्वर कुमार

नारनौल, 6 दिसंबर (निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2021-22 के तहत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए सोमवार से दो दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम शुरू हुआ। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय की ओर से आयोजित कार्यक्रम के पहले दिन अपना संबोधन देते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान अर्जन का केंद्र है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ व्यक्तित्व विकास के लिए विवि में उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के समक्ष विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के पूर्व कुलपति व अखिल भारतीय शैक्षणिक संघ के अध्यक्ष प्रो. जे.पी. सिंघल ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

विवि ज्ञान अर्जन का केंद्र : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2021-22 के अंतर्गत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए सोमवार से दो दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के पहले दिन विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान अर्जन का केंद्र है। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए विश्वविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों के अधिकतम उपयोग के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के समक्ष विशेषज्ञ वक्ता के रूप में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के पूर्व कुलपति व अखिल भारतीय शैक्षणिक संघ के अध्यक्ष प्रो. जे.पी. सिंघल ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश गुप्ता ने ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया, जिसमें विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं, संसाधनों व विद्यार्थी हितैषी प्रयासों का विशेष रूप से उल्लेख किया।

हकेंवि में दो दिवसीय स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम आज से

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा दिनांक 6 और 7 दिसंबर को दो दिवसीय विद्यार्थी प्रवर्तन कार्यक्रम (स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम) दीक्षारम्भ- 2021 का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया जा रहा है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के परिवेश में ढलने के लिए विविध उपक्रम कराए जाएंगे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि जब शिक्षण संस्थान महामारी के दौर में विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए सुचारू रूप से शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रयासरत हैं, ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में उपलब्ध समस्त सुविधाओं से अवगत करवाया जाये जिससे कि उनको किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना ना करना पड़े। इसलिए इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ-साथ कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता व उप छात्रकल्याण अधिष्ठाता डॉ आनंद शर्मा, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान नई शिक्षा नीति-2020 के विश्वविद्यालय में क्रियान्वयन से लेकर छात्र कल्याण एवं शोध के लिए उपलब्ध सभी सुविधाओं से अवगत करवाएंगे। इस दो दिवसीय केन्द्रीय कार्यक्रम के उपरांत विभागीय स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन होगा जिनमें विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली, सुविधाओं, संसाधनों एंव सम्भावनाओं से विद्यार्थियों का परिचय कराया जाएगा।

इस कार्यक्रम के प्रथम दिन मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. जे. पी. सिंघल, पूर्व कुलपति, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, एवं वर्तमान अध्यक्ष अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ व दूसरे दिन विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. गीता भट्ट, निदेशक, नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षण मंडल, दिल्ली विश्वविद्यालय उपस्थित रहेंगे। जिनके द्वारा भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया जायेगा। कार्यक्रम की रूपरेखा सांझा करते हुए छात्र कल्याण विभाग के अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि विद्यार्थियों के शिक्षा ग्रहण करने का मार्ग पूर्ण रूप से निर्बाध रहे ये सुनिश्चित करने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। डॉ. दिनेश गुप्ता व डॉ. आनंद शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजक मंडल जिसमें डॉ. रेनू यादव, डॉ. मनोज कुमार, आलेख एस. नायक, डॉ. किरण, अजय कुमार व सुनील अग्रवाल कार्यक्रम को सफल बनाने में लगातार प्रयासरत हैं।

हरियाणा केंद्रीय विवि में दाखिले के लिए स्पेशल ड्राइव 10 दिसंबर को

स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में दाखिले का मिलेगा अवसर

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

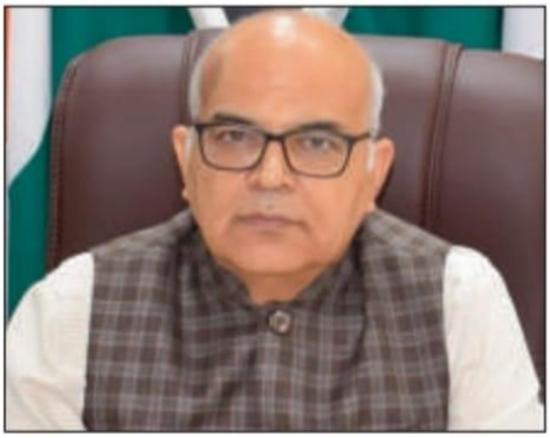

चंडीगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेन्द्रगढ़ ओपन काउंसलिंग के बाद स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए दाखिले हेतु शुक्रवार को 10 दिसम्बर को स्पेशल ड्राइव का आयोजन करने जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आवेदकों का दाखिले के लिए स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में ओपन काउंसलिंग के बाद रिक्त बची सीटों पर दाखिले के लिए आगामी 10 दिसम्बर को स्पेशल ड्राइव का आयोजन करने जा रहा है। ऑफलाइन माध्यम से आयोजित होने वाली इस प्रक्रिया में इच्छुक आवेदक को विश्वविद्यालय परिसर में संबधित विभाग में उपस्थित होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि इस दाखिला प्रक्रिया में सीयू-सीईटी-2021 परीक्षा न दे सकने वाले अभ्यर्थी भी हिस्सा ले सकेंगे किन्तु सीयू-सीईटी-2021 परीक्षा देने वाले अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रो. शर्मा ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी को 10 दिसम्बर को अपने दस्तावेजों की मूल प्रति व दो सेट प्रतिलिपि के साथ संबंधित विभाग में 10 से 12 बजे तक रिर्पोट करना होगा। आवेदक अधिक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.cuh.ac.in देखें।

महेंद्रगढ़: हकेंवि में दाखिले के लिए स्पेशल ड्राइव दस को

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ओपन काउंसलिंग के बाद स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए दाखिले हेतु 10 दिसंबर को स्पेशल ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आवेदकों का दाखिले के लिए स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि विवि के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध है। विवि स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में ओपन काउंसलिंग के बाद रिक्त बची सीटों पर दाखिले के लिए आगामी 10 दिसंबर को स्पेशल ड्राइव का आयोजन किया जाएगा।

- ओपन काउंसलिंग के बाद कुछ सीटें रिक्त

हकेंवि में दाखिले के लिए स्पेशल ड्राइव 10 को

महेंद्रगढ़| हकेंवि,ओपन काउंसलिंग के बाद स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों के लिए दाखिले हेतु शुक्रवार को 10 दिसम्बर को स्पेशल ड्राइव का आयोजन करने जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आवेदकों का दाखिले के लिए स्वागत करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पबद्ध है। कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय स्नातक, स्नातकोत्तर व इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रमों में ओपन काउंसलिंग के बाद रिक्त बची सीटों पर दाखिले के लिए आगामी 10 दिसम्बर को स्पेशल ड्राइव का आयोजन करने जा रहा है। ऑफलाइन माध्यम से आयोजित होने वाली इस प्रक्रिया में इच्छुक आवेदक को विश्वविद्यालय परिसर में संबधित विभाग में उपस्थित होना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि इस दाखिला प्रक्रिया में सीयू-सीईटी-2021 परीक्षा न दे सकने वाले अभ्यर्थी भी हिस्सा ले सकेंगे किन्तु सीयू-सीईटी-2021 परीक्षा देने वाले अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रो. शर्मा ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी को 10 दिसम्बर को अपने दस्तावेजों की मूल प्रति व दो सेट प्रतिलिपि के साथ संबंधित विभाग में 10 से 12 बजे तक रिपोर्ट करना होगा। आवेदक अधिक जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.cuh.ac.in देखें।

विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर अभाविप ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर को सौंपा ज्ञापन

अभाविप से जुडे विद्यार्थी वीसी को ज्ञापन सौंपते हुए।

महेंद्रगढ़ |अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेक कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। विश्वविद्यालय के कुलपति ने विद्यार्थियों की मांगों को ध्यानपूर्वक सुना और आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय द्वारा इन सभी मांगों पर जल्द से जल्द फैसला लिया जाएगा। इस मौके पर इकाई अध्यक्ष बृजेश चंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद छात्रों के हित में सदैव खड़ा रहने वाला विश्व का सबसे बड़ा संगठन है और विश्वविद्यालय में भी छात्रों के हित के साथ सदैव खड़े रहेंगे। इकाई मंत्री तनीषा शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय में शुल्क संबंधी, अवसरचना संबंधी और अन्य जो भी समस्याओं का सामना छात्रों को करना पड़ रहा है उन सभी के बारे में कुलपति को बताया गया और उन्होंने सभी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस मौके पर इकाई उपाध्यक्ष संजीत कुमार और साई गणेश, शोध सहसंयोजिका अनविता, सहमंत्री सौरव भड़वाल और गितेश, पुष्पा उपस्थित रहे।

दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता जरूरी

- हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वेबिनार का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के उत्थान व उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए जारी प्रयासों में सफलता तभी मिल सकती है जब सभी उन्हें स्वीकार करते हुए उनकी बेहतरी हेतु हरसंभव योगदान दें। मुख्य अतिथि हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नोटियाल व मुख्य वक्ता

महेंद्रगढ़। वेबिनार के समापन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य। फोटो: हरिभूमि

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के अरबिंद कुमार झा, विशेषज्ञ वक्ता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के डॉक्टर प्रशांत श्रीवास्तव थे। प्रोफेसर अन्नपूर्णा नोटियाल ने कहा कि दिव्यांगजनों के प्रति सहानुभूति रखते हुए उन्हें डिफ्रेन्टली एबल मानकर उनके हित में प्रयास करना चाहिए। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि दिव्यांगजनों की बेहतरी के लिए सर्वप्रथम उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना होगा।

प्रशिक्षित पेशेवर समय की मांगः प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़। हकेंवि जांट-पाली। फोटोः हरिभूमि

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय व कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के सांझा प्रयासों से आयोजित वर्जुअल कार्यशाला का समापन हुआ। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड साइबर सिक्योरिटी में प्रगति पर आयोजित इस तीन कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की भारी मांग है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से अवश्य ही प्रतिभागियों को इन क्षेत्रों में हो रहे बदलावों को जानने-समझने में मदद मिली होगी। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला में शामिल विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में तकनीकी बदलावों के प्रति जागरूकता आवश्यक है।

दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता आवश्यक : टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के उत्थान व उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए जारी प्रयासों में सफलता तभी मिल सकती है जब सभी उन्हें स्वीकार करते हुए उनकी बेहतरी के लिए हरसंभव योगदान दें। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नोटियाल, मुख्य वक्ता के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के अरबिंद कुमार झा व विशेषज्ञ वक्ता के रूप में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के डा. प्रशांत श्रीवास्तव ने संबोधित किया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता अपनाने और उनके लिए उपलब्ध संसाधनों के विकास व विस्तार के लिए व्यक्तिगत प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने सरकारी प्रावधानों के सफलतम क्रियान्वयन के साथ-साथ आमजन की सोच में भी इस वर्ग के प्रति विशेष लगाव की जरूरत बताई। इसी क्रम में प्रो. अन्नपूर्णा नोटियाल ने कहा कि दिव्यांगजनों के प्रति सहानुभूति रखते हुए उन्हें डिफ्रेन्टली एबल मानकर उनके हित में प्रयास करना चाहिए। प्रो. नोटियाल ने अपने प्रयासों के अंतर्गत दिव्यांगजनों को सक्षम, शिक्षित बनाने और उनके आत्मविश्वास को मजबूत बनाने के लिए विशेष प्रयास करने पर जोर दिया। प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि दिव्यांगजनों की बेहतरी के लिए सर्वप्रथम उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना होगा।

डा. प्रशांत श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि यह हमारा कर्तव्य बनता है कि हमारे साथी दिव्यांगजन किसी भी तरह से पिछड़ने न पाए। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ-साथ यह हमारा कर्तव्य बनता है कि हम उनके उत्थान के लिए जिम्मेदारी के साथ प्रयास करें। डा. प्रशांत ने बताया कि एक रिपोर्ट के अनुसार मौजूदा समय में विश्व का हर सातवां व्यक्ति किसी न किसी प्रकार की विकलांगता का शिकार है। ऐसे में जमीनी स्तर पर छोटे-छोटे प्रयास करने की आवश्यकता है। प्रो. अरबिंद कुमार झा ने दिवयांगजनों के प्रति योजनागत ढंग से प्रयास करने की बात कही और कहा कि इन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए सक्षम व शिक्षित बनाना होगा। कार्यक्रम में आरंभ में आजादी का अमृत महोत्सव की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने सभी विशेषज्ञों का स्वागत किया और इस कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रो. सारिका शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय निरंतर दिव्यांगजनों की बेहतरी के लिए विभिन्न उपाय कर रहा है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में पेशेवर समय की मांग

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के केंद्रीय पुस्तकालय एवं कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के सांझा प्रयासों से आयोजित वर्जुअल कार्यशाला का समापन हुआ। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड साइबर सिक्योरिटी में प्रगति पर आयोजित इस तीन कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की भारी मांग है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से अवश्य ही प्रतिभागियों को इन क्षेत्रों में हो रहे बदलावों को जानने-समझने में मदद मिली होगी। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला में शामिल विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में तकनीकी बदलावों के प्रति जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने इसके लिए पाठ्यक्रमों के निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में प्रगति पर हुई कार्यशाला

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय एवं कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के संयुक्त प्रयासों से आयोजित वर्चुअल कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हो गया।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड साइबर सिक्योरिटी में प्रगति पर आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की भारी मांग है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से अवश्य ही प्रतिभागियों को इन क्षेत्रों में हो रहे बदलावों को जानने-समझने में मदद मिली होगी।

कुलपति ने कहा कि इस क्षेत्र में तकनीकी बदलावों के प्रति जागरूकता आवश्यक है। उन्होंने इसके लिए पाठ्यक्रमों के निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। कुलपति कहा कि यह प्रयास समाज को साइबर अपराधों से बचाने में मददगार साबित होंगे। तीन दिवसीय इस कार्यशाला के समापन सत्र में सहायक आचार्य डॉ. विनय रे ने कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय कुलपति का परिचय पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संतोष सीएच ने प्रस्तुत किया। संवाद

महेंद्रगढ़। हकेंवि में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

दिव्यांगजनों के उत्थान को मिलकर करें प्रयास

- हकेंवि में दिव्यांगजन दिवस पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजन प्रकोष्ठ ने दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है। वेबिनार के शुभारंभ के अवसर पर उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दिव्यांगजनों के समक्ष कोरोना काल से पहले व उकसे बाद उपस्थित चुनौतियों का उल्लेख करते हुए समाधान की दिशा में मिलकर प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के प्रति सकारात्मक सोच के साथ उनके उत्थान हेतु तकनीकी विकास के स्तर पर प्रयास करने होंगे। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, हरियाणा के आयुक्त दिनेश शास्त्री, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विशाल सूद व महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. प्रमोद जोशी उपस्थित रहे। दिव्यांगजन प्रकोष्ठ की संयोजक विश्वविद्यालय की कुलसचिव, आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने विषय का परिचय प्रस्तुत किया और स्वागत भाषण के माध्यम से इस आयोजन में शामिल विश्वविद्यालय कुलपति, विशेषज्ञों के विषय में प्रतिभागियों को जानकारी दी। प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि यह विषय कोरोना काल के बाद बदली परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक प्रयासों हेतु महत्वपूर्ण है और आपसी विमर्श से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा।

‘विश्वविद्यालय की प्रगति का आइना है न्यूजलेटर’

विश्वविद्यालय के न्यूजलेटर का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, साथ में कुलसचिव व संपादकीय मंडल के सदस्य • जागरण

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बृहस्पतिवार को त्रैमासिक जुलाई-सितंबर 2021 न्यूजलेटर का विमोचन किया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि न्यूजलेटर विश्वविद्यालय से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों व इसकी प्रगति का आइना है। उन्होंने इस न्यूजलेटर को तैयार करने वाले संपादकीय मंडल को बधाई दी और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से संवाद की एक परम्परा स्थापित होगी, जिससे विश्वविद्यालय के सभी सहभागी लाभान्वित होंगे।

प्रो. टंकेश्वर ने विश्वविद्यालय के त्रैमासिक न्यूजलेटर के विमोचन के अवसर पर कहा कि इस प्रयास से आनलाइन व आफलाइन माध्यम से विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी पाठकों तक पहुँचेगी। उन्होंने कहा कि इस दस्तावेज के माध्यम से विश्वविद्यालय में जारी विभिन्न अकादमिक गतिविधियों के साथ-साथ शोध नवाचार व विश्वविद्यालय के सामाजिक सरोकारों से भी जन-जन अवगत होगा। विमोचन के अवसर पर उपस्थित विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा व परीक्षा नियंत्रक डा. विपुल यादव ने भी संपादकीय टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे एक उपयोगी दस्तावेज बताया।

इस न्यूजलेटर की संपादकीय टीम में बतौर मुख्य संपादक प्रो. टंकेश्वर के साथ सदस्य के रूप में अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग के सहायक आचार्य डा. मनोज कुमार, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की सहायक आचार्य डा. भारती बतरा एवं प्रिंटिग व पैकेजिंग टेक्नोलाजी विभाग के सहायक आचार्य डा. अनिल कुंडु शामिल हैं। संपादकीय टीम ने बताया कि जुलाई से सितंबर 2021 के इस त्रैमासिक संस्करण में विश्वविद्यालय में संपन्न विभिन्न गतिविधियों का संकलन प्रस्तुत किया गया है। इस अंक में आजादी का अमृत महोत्सव, स्वच्छता पखवाड़ा, हिन्दी पखवाड़ा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट, विश्वविद्यालय द्वारा अन्य शैक्षणिक संस्थानों के साथ संपन्न समझौता ज्ञापन, शोध एवं प्रकाशन व शोध प्रमोशन बोर्ड के सुझाव आदि को समाहित किया गया है।

दिव्यांगजनों के उत्थान के लिए करें प्रयास : प्रो. टंकेश्वर

संस, महेंद्रगढ़ : अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजन प्रकोष्ठ के द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है। वेबिनार के शुभारंभ के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने दिव्यांगजनों के समक्ष कोरोना काल से पहले व बाद उपस्थित चुनौतियों का उल्लेख करते हुए समाधान की दिशा में मिलकर प्रयास करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों के प्रति सकारात्मक सोच के साथ उनके उत्थान हेतु तकनीकी विकास के स्तर पर प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि इस दिशा में सरकार के स्तर पर भी विभिन्न कोशिशें जारी हैं और हम इन कोशिशों को गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। इस अवसर पर विशेषज्ञ वक्ता के रूप में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, हरियाणा के आयुक्त दिनेश शास्त्री, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विशाल सूद व महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. प्रमोद जोशी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुई। इसके पश्चात दिव्यांगजन प्रकोष्ठ की संयोजक, विश्वविद्यालय की कुलसचिव, आजादी का अमृत महोत्सव अभियान की नोडल ऑफिसर प्रो. सारिका शर्मा ने विषय का परिचय प्रस्तुत किया और स्वागत भाषण के माध्यम से इस आयोजन में शामिल विश्वविद्यालय कुलपति, विशेषज्ञों के विषय में प्रतिभागियों को जानकारी दी। प्रो. सारिका शर्मा ने कहा कि यह विषय कोरोना काल के बाद बदली परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण है और आपसी विमर्श से इस दिशा में जारी प्रयासों को बल मिलेगा।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि हमें ज्ञात होना चाहिए कि हमारी क्षमताएं क्या हैं और इनके माध्यम से किस तरह से हम समाज व विश्व के विकास में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांगता के अनेक प्रकार हैं और इस श्रेणी के अंतर्गत आने वाले लोगों के समक्ष अलग-अलग प्रकार की चुनौतियां रहती हैं, जिनका समाधान हम सभी को मिलकर करना होगा।

विशेषज्ञ वक्ता दिनेश शास्त्री ने इस आयोजन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि अधिकारों का ज्ञान और उनका क्रियान्वयन दिव्यांगजनों की बेहतरी के लिए आवश्यक है। उन्होंने दिव्यांगजनों का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने गुणों को पहचाने और क्षमताओं के आधार पर विकास के पथ पर अग्रसर हों। निराशा का त्याग कर संघर्ष के लिए तत्पर रहें।

हकेंवि में तीन दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मंगलवार को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा में प्रगति विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय वर्चुअल कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय और कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के पहले दिन बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. विवेक सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला में विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने कार्यशाला व संस्थागत डिजिटल भंडार ज्ञान प्रवाह का भी उद्घाटन किया। उद्घाटन सत्र को कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा ने संबोधित किया।

2022-23 से होगी केंद्रीय विवि में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा

▸ नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के जरिये कराया जाएगा परीक्षा का आयोजन

नई दिल्ली, प्रेट्र : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने कहा है कि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए साझा प्रवेश परीक्षा (सीईटी) शैक्षणिक सत्र 2022-23 से कराई जा सकती है। इन परीक्षाओं का आयोजन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के जरिये कराया जाएगा। यूजीसी ने यह भी बताया कि जहां संभव होगा पीएचडी में दाखिले के लिए नेट स्कोर का इस्तेमाल किया जाएगा।

यूजीसी ने सभी उप कुलपतियों को लिखे पत्र में कहा, सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों को सलाह दी जाती है कि वे शैक्षणिक सत्र 2022-23 से साझा प्रवेश परीक्षा के लिए उचित कदम उठाएं। यह परीक्षा कम-से-कम उन 13 भाषाओं में कराई जाएगी, जिनमें एनटीए पहले से जेईई और नीट का आयोजन कर रही है। यूजीसी ने कहा कि राज्य और निजी विश्वविद्यालय भी अपनी इच्छा के अनुसार साझा प्रवेश परीक्षा को अपना सकते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 में सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए एनटीए के जरिये साझा प्रवेश परीक्षा आयोजित करने का प्रस्ताव किया गया है। उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिले के लिए विषय आधारित साझा परीक्षा और कामन एप्टीट्यूड टेस्ट कराने की खातिर एनटीए एक स्वायत्त एजेंसी है। केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए प्रवेश परीक्षा का मामला देखने और इसके लिए तौर-तरीके तय करने को लेकर एक समिति का भी गठन किया गया था। साझा प्रवेश परीक्षा पर चर्चा के लिए इस समिति की कई बैठकें हो चुकी हैं। समिति की सिफारिशों पर विचार करने के लिए इसके सदस्यों की 21 नवंबर को केंद्रीय विश्वविद्यालयों के उप कुलपतियों के साथ बैठक भी हो चुकी है।

यूजीसी ने उप कुलपतियों को पत्र लिखकर जरूरी कदम उठाने को कहा। फाइल

हकेंवि में पीएच.डी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा नतीजे घोषित

नारनौल, राजेश राज गोयल,

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में 28 दिसंबर को विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएच.डी पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित आफलाइन प्रवेश परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए गए। विश्वविद्यालय की ओर से घोषित परीक्षा परिणामों की जानकारी विद्यार्थी अपने लॉगइन आईडी मदद से देख सकते हैं। नतीजों की सूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने परीक्षा परिणामों के घोषित होने के बाद कहा कि अब प्रवेश परीक्षा परिणामों के आधार पर विद्यार्थी दाखिले के अगले चरण में हिस्सा ले सकेंगे। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो.सारिका शर्मा की ओर से जारी जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय की ओर से घोषित दाखिला कार्यक्रम के अंतर्गत अगले चरण में आगामी 3 जनवरी, 2022 को सफल विद्यार्थियों की सूची जारी की जाएगी, जिसमें प्रवेश परीक्षा में सफल व उससे छूट प्राप्त आवेदकों की घोषणा की जाएगी। इसके आधार पर साक्षात्कार के लिए चयनित आवेदकों की सूची आगामी 05 जनवरी को घोषित होगी और 11 जनवरी, 2022 कोऑफलाइन माध्यम से साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा। इसके प्रदर्शन के आधार पर 12 जनवरी को दाखिला सूची जारी करेगा और सफल आवेदक 12 व 13 जनवरी को फीस जमा कर दाखिला प्राप्त कर सकेंगे। पीएच.डी की दाखिला प्रक्रिया की जानकारी के लिए आवेदक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर लॉगइन कर सकते हैं।

पीएचडी कोर्सों के लिए प्रवेश परीक्षा के नतीजे घोषित

महेन्द्रगढ़ (निस) : हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में 28 दिसंबर को विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित ऑफलाइन प्रवेश परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने परीक्षा परिणामों के घोषित होने के बाद कहा कि अब प्रवेश परीक्षा परिणामों के आधार पर विद्यार्थी दाखिले के अगले चरण में हिस्सा ले सकेंगे। विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो.सारिका शर्मा की ओर से जारी जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय की ओर से घोषित दाखिला कार्यक्रम के अंतर्गत अगले चरण में आगामी 3 जनवरी को सफल विद्यार्थियों की सूची जारी की जाएगी जिसमें प्रवेश परीक्षा में सफल व उससे छूट प्राप्त आवेदकों की घोषणा की जाएगी । इसके आधार पर साक्षात्कार के लिए चयनित आवेदकों की सूची आगामी 5 जनवरी को घोषित होगी और 11 जनवरी को ऑफलाइन माध्यम से साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा। इसके आधार पर 12 जनवरी को दाखिला सूची जारी की जायेगी। सफल आवेदक 12 व 13 जनवरी को फीस जमा करा कर दाखिला ले सकेंगे।

दैनिक ट्रिब्यून Fri, 31 December 2021
https://epaper.dainiktribun

पीएचडी में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित आफलाइन प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए गए। विवि की ओर से घोषित परीक्षा परिणामों की जानकारी विद्यार्थी लागइन आइडी की मदद से देख सकते हैं। नतीजों की सूचना विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि अब प्रवेश परीक्षा परिणामों के आधार पर विद्यार्थी दाखिले के अगले चरण में हिस्सा ले सकेंगे। विवि कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा की ओर से जारी जानकारी के अनुसार विवि की ओर से घोषित दाखिला कार्यक्रम के अंतर्गत अगले चरण में आगामी तीन जनवरी को सफल विद्यार्थियों की सूची जारी की जाएगी। प्रवेश परीक्षा में सफल व उससे छूट प्राप्त आवेदकों की घोषणा की जाएगी। इसके आधार पर साक्षात्कार के लिए चयनित आवेदकों की सूची आगामी पांच जनवरी को घोषित होगी और 11 जनवरी को आफलाइन माध्यम से साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा।

हकेंवि में पीएचडी में दाखिले को प्रवेश परीक्षा के नतीजे घोषित

भास्कर न्यूज़। महेंद्रगढ़

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में 28 दिसंबर को विभिन्न विभागों में पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित ऑफलाइन प्रवेश परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए गए। विश्वविद्यालय की ओर से घोषित परीक्षा परिणामों की जानकारी विद्यार्थी अपने लॉगइन आईडी मदद से देख सकते हैं । नतीजों की सूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने परीक्षा परिणामों के घोषित होने के बाद कहा कि अब प्रवेश परीक्षा परिणामों के आधार पर विद्यार्थी दाखिले के अगले चरण में हिस्सा ले सकेंगे।

कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा की ओर से जारी जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय की ओर से घोषित दाखिला कार्यक्रम के अंतर्गत अगले चरण में आगामी 3 जनवरी, 2022 को सफल विद्यार्थियों की सूची जारी की जाएगी, जिसमें प्रवेश परीक्षा में सफल व उससे छूट प्राप्त आवेदकों की घोषणा की जाएगी। इसके आधार पर साक्षात्कार के लिए चयनित आवेदकों की सूची 5 जनवरी को घोषित होगी और 11 जनवरी, 2022 को ऑफलाइन माध्यम से साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा। इसके प्रदर्शन के आधार पर 12 जनवरी को दाखिला सूची जारी करेगा और सफल आवेदक 12 व 13 जनवरी को फीस जमा कर दाखिला प्राप्त कर सकेंगे। पीएचडी की दाखिला प्रक्रिया की जानकारी के लिए आवेदक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर लॉगइन कर सकते हैं।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा के नतीजे घोषित

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में 28 दिसंबर को विभिन्न विभागों में उपलब्ध पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित ऑफलाइन प्रवेश परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। विश्वविद्यालय की ओर से घोषित परीक्षा परिणामों की जानकारी विद्यार्थी अपने लॉग इन आईडी से देख सकते हैं। नतीजों की सूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने परीक्षा परिणामों के घोषित होने के बाद कहा कि अब प्रवेश परीक्षा परिणामों के आधार पर विद्यार्थी दाखिले के अगले चरण में हिस्सा ले सकेंगे।

विश्वविद्यालय कुल सचिव प्रो. सारिका शर्मा के अनुसार विश्वविद्यालय की ओर से घोषित दाखिला कार्यक्रम के तहत अगले चरण में 3 जनवरी को सफल विद्यार्थियों की सूची जारी की जाएगी, जिसमें प्रवेश परीक्षा में सफल, उससे छूट प्राप्त आवेदकों की घोषणा की जाएगी। इसके आधार पर साक्षात्कार के लिए चयनित आवेदकों की सूची 5 जनवरी को घोषित होगी।

11 जनवरी को साक्षात्कार के बाद 12 को लगाई जाएगी सूची

11 जनवरी 2022 को ऑफलाइन माध्यम से साक्षात्कार का आयोजन किया जाएगा। इसके प्रदर्शन के आधार पर 12 जनवरी को दाखिला सूची जारी करेगा। सफल आवेदक 12 व 13 जनवरी को फीस जमा कर दाखिला ले सकेत हैं। पीएचडी की दाखिला प्रक्रिया की जानकारी के लिए आवेदक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर लॉगइन कर सकते हैं।

छात्रों के लिए डॉ. रंगनाथन का जीवन प्रेरणास्रोत

- कार्यों व प्रयासों को जानने-समझने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए
- हकेवि रंगनाथन रिसर्च सर्कल नई दिल्ली के सहयोग से वेबिनार का हुआ आयोजन

महेंद्रगढ़, प्रवीण कुमार (पंजाब केसरी) : पद्मश्री डॉ. एस. आर. रंगनाथन का जीवन पुस्तककालय विज्ञान के क्षेत्र में कार्यरत युवाओं के लिए हमेशा से ही प्रेरणा का स्रोत रहा है। उन्होंने पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में जो उल्लेख्नीय कार्य किए हैं, उनका लाभ आज भी विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों को प्राप्त हो रहा है। हमें उनके कार्यों व प्रयासों को जानने-समझने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा रंगनाथन रिसर्च सर्कल, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। कुलपति ने इस अवसर पर उपस्थित देश-विदेश के विशेषज्ञों का उनकी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही उनके अर्जित ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि द स्प्रिट ऑफ ज्योमेट्री और द स्प्रिट ऑफ फाइनेंस पर डॉ. एस.आर. रंगनाथन की ज्ञानपद्धति पर केंद्रित इस वेबिनार में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती कल्पना दासगुप्ता, विशेषज्ञ वक्ता के रूप में यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो लाइब्रेरी के डॉ. थॉमस दौसा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में रंगनाथन रिसर्च सर्कल के डॉ. आर.पी. गोस्वामी ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और संबंधित विषय की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

विद्यार्थियों के लिए डॉ. रंगनाथन का जीवन प्रेरणा का स्त्रोत: कुलपति

महेंद्रगढ़, 27 दिसम्बर (परमजीत/मोहन): पद्मश्री डॉ. एस.आर. रंगनाथन का जीवन पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में कार्यरत युवाओं के लिए हमेशा से ही प्रेरणा का स्त्रोत रहा है। उन्होंने पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में जो उल्लेखनीय कार्य किए हैं, उनका लाभ आज भी विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों को प्राप्त हो रहा है। हमें उनके कार्यों व प्रयासों को जानने-समझने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा रंगनाथन रिसर्च सर्कल, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित वैबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। कुलपति ने इस अवसर पर उपस्थित देश-विदेश के विशेषज्ञों का उनकी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही उनके अर्जित ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि द स्प्रिट ऑफ ज्योमैट्री और द स्प्रिट ऑफ फाइनैंस पर डॉ. एस.आर. रंगनाथन की ज्ञान पद्धति पर केंद्रित इस वैबिनार में मुख्यातिथि के रूप में केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय की पूर्व अध्यक्ष कल्पना दासगुप्ता, विशेषज्ञ वक्ता के रूप में यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो लाइब्रेरी के डॉ. थॉमस दौसा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में रंगनाथन रिसर्च सर्कल के डॉ. आर.पी. गोस्वामी ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और संबंधित विषय की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

वैबिनार को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

डॉ. रंगनाथन का जीवन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

पद्मश्री डॉ. एसआर रंगनाथन का जीवन पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में कार्यरत युवाओं के लिए हमेशा से ही प्रेरणा स्रोत रहा है। उन्होंने पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में जो उल्लेखनीय कार्य किए हैं, उनका लाभ आज भी विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों को प्राप्त हो रहा है। हमें उनके कार्यों व प्रयासों को जानने-समझने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा रंगनाथन रिसर्च सर्कल, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित वेबिनार को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

कुलपति ने इस अवसर पर उपस्थित देश-विदेश के विशेषज्ञों का उनकी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि अवश्य ही उनके अर्जित ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि द स्प्रिट ऑफ ज्योमेट्री और द स्प्रिट ऑफ फाइनेंस पर डॉ. एसआर रंगनाथन की ज्ञान-पद्धति पर केंद्रित इस वेबिनार में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती कल्पना दासगुप्ता, विशेषज्ञ वक्ता के रूप में यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो लाइब्रेरी के डॉ. थॉमस दौसा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में रंगनाथन रिसर्च सर्कल के डॉ. आरपी गोस्वामी ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और संबंधित विषय की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

विद्यार्थियों के लिए डॉ. रंगनाथन का जीवन प्रेरणास्त्रोत : कुलपति

हकेंविवि में रंगनाथन रिसर्च सर्कल नई दिल्ली के सहयोग से किया वेबिनार

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। पद्मश्री डॉ. एसआर रंगनाथन का जीवन पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में कार्यरत युवाओं के लिए हमेशा से ही प्रेरणा का स्त्रोत रहा है। उन्होंने पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में जो उल्लेखनीय कार्य किए हैं उनका लाभ आज भी विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों को प्राप्त हो रहा है।

हमें उनके कार्यों, प्रयासों को जानने, समझने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंविवि) महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा रंगनाथन रिसर्च सर्कल, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित वेबिनार में व्यक्त किए। कुलपति ने कहा कि अवश्य ही उनके अर्जित ज्ञान का लाभ प्रतिभागियों को प्राप्त होगा। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि द स्प्रिट ऑफ ज्योमेट्री और द स्प्रिट ऑफ फाइनेंस पर डॉ. एसआर रंगनाथन की ज्ञान पद्धति पर केंद्रित वेबिनार में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय की पूर्व अध्यक्ष कल्पना दास गुप्ता, विशेषज्ञ वक्ता के रूप में यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो लाइब्रेरी के डॉ. थॉमस दौसा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में रंगनाथन रिसर्च सर्कल के डॉ. आरपी गोस्वामी ने प्रतिभागियों को संबंधित विषय की जानकारी दी। कार्यक्रम में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

कुलपति ने जाना सहभागियों के सुझावों व शिकायतों को

सुशासन दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के सहभागियों के सुझाव व समस्याएं सुनते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● साभार हकेंवि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़ : भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ ने सुशासन दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रशासनिक खंड स्थित आगंतुक कक्ष में विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न सहभागियों शिक्षकों, विद्यार्थियों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के सुझावों व शिकायतों को जाना समझा और आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयास करने का भरोसा दिलाया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके कार्यकाल में भारत ने विकास की नई बुलंदियों को हासिल किया। कुलपति ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस के अवसर पर उनसे प्रेरणा लेते हुए विश्वविद्यालय में सुशासन दिवस का आयोजन किया गया। विभिन्न सहभागियों को खुले मंच पर आकर अपनी बात रखने का अवसर दिया गया। कुलपति ने सकारात्मक सुझावों पर योजनागत ढंग से कार्य करने की बात कही और कहा कि इस संवाद के माध्यम से विश्वविद्यालय, समाज, राज्य के हित में विवि स्तर पर जारी विभिन्न प्रयासों को गति मिलेगी।